MARJ–05

December – Examination 2021

M.A. (Final) Examination

RAJASTHANI

'प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य'

Paper : MARJ-05

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks :* ***80***

निर्देश :- औ पेपर खण्ड 'अ' अर 'ब' में बंट्योड़ौ है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल अर खंड 'ब' में छोटा सवालां रौ पड़ूत्तर देवणा है। हरैक खण्ड रै आगै दियोड़ां निर्देशां मुजब आपरा जवाब लिखो।

खण्ड—अ **4×4=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खंड रा सगळा सवालां मांय सूं कोई चार सवाल करणा है (सबद सीमा : **30** सबद) :

1. (i) 'भरतेश्वर बाहुबली घोर' रचना रै रचियेता रौ नाम लिखो।

   (ii) 'ढोला मारू रा दूहा' रचना किण रस में लिखी गयी है ?

(iii) 'बीसलदेव रासो' किण भांत रौ काव्य है ?

(iv) 'कान्हड़दे प्रबन्ध' रचना रौ कथानक किण ठौड़ रौ है ?

(v) 'रणमल्ल छंद' रचना रै रचनाकार रौ नाम बतावो।

(vi) 'हालां झालां रा कुण्डलिया' रचना रौ मुख्य रस कुणसौ है ?

(vii) 'वेलि क्रिस्सन रूकमणी री' रचना किण काव्य सैली में रचित है।

(viii) नरहरिदास बारहठ री कोई दोय काव्य रचनावां रा नाम दरसावो।

खण्ड—ब **4×16=64**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रौ पड़ूत्तर देवौ है (सबद सीमा : **200** सबद) :

2. 'ढोला मारू रा दूहा' रचना री लोकगाथा री दीठ सूं प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करो।

3. 'बीसलदेव रासो' रचना री अैतिहासिकता सिद्ध करो।

4. 'कान्हड़दे प्रबन्ध' रचना रौ कथासार आपरै सबदां में मांडो।

5. 'रणमल्ल छंद' अेक वीररसात्मक खण्डकाव्य है। इण कथन री पुष्टि उदाहरण सैती करावौ।

6. 'हालां झालां रा कुण्डलियां' मांय वीर रस रौ परिपाक भाषा, छंद अर सिल्प रौ अनुपात रौ खुळासौ करो।

7. 'वेलि क्रिस्सन रुकमणी री' काव्य कृति में वीर, भगती अर सिणगार री त्रिवेणी देखण मिळै है ? इण कथन री पुष्टि सोदाहरण समझावो।

8. कवि कुशललाभ रौ जीवण परिचै उजागर करो।

9. नरहरिदास बारहठ री रचना 'अवतार चरित्र' री समीक्षा करो।

10. महाकवि पृथ्वीराज राठौड़ रै व्यक्तित्व अर कृतित्त्व पर टीप लिखो।